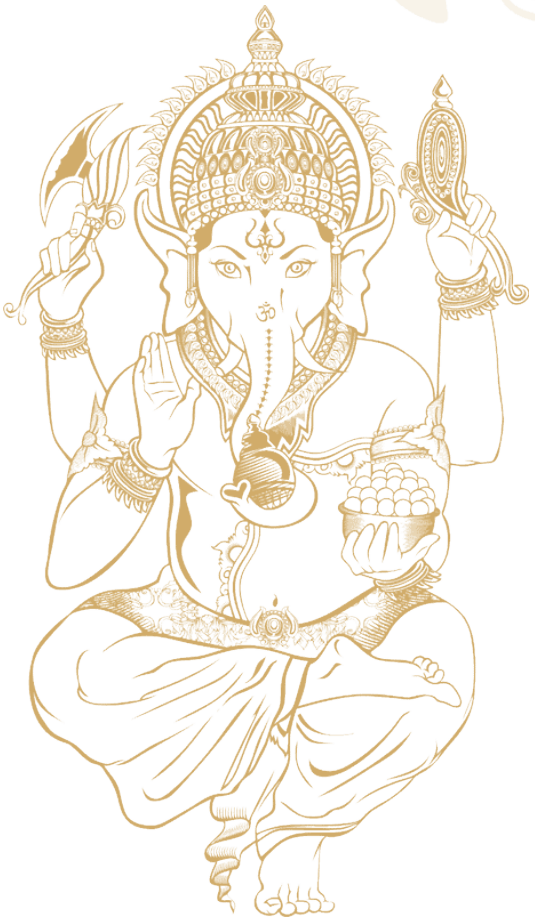

Bibhvansh singh

29 Jun 2002

07:15 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120903003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/06/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	05:07:05 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:13:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:22 घंटे
साम्पातिक काल	01:41:11 घंटे
सूर्योदय	05:12:09 घंटे
सूर्यास्त	18:57:57 घंटे
दिनमान	13:45:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:16:42 मिथुन
लग्न के अंश	09:09:21 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:09:21	310:41:33	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	13:16:42	00:57:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			कुंभ	02:54:43	12:18:11	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	26:43:12	00:38:48	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			वृष	22:24:50	01:23:56	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	28:37:46	00:13:10	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	22:38:54	01:09:03	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	27:05:38	00:07:36	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:49:46	00:02:40	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:49:46	00:02:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:40:52	00:01:12	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:33:13	00:01:17	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:49:11	00:01:28	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	03:21:41	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:15

लग्न-चलित

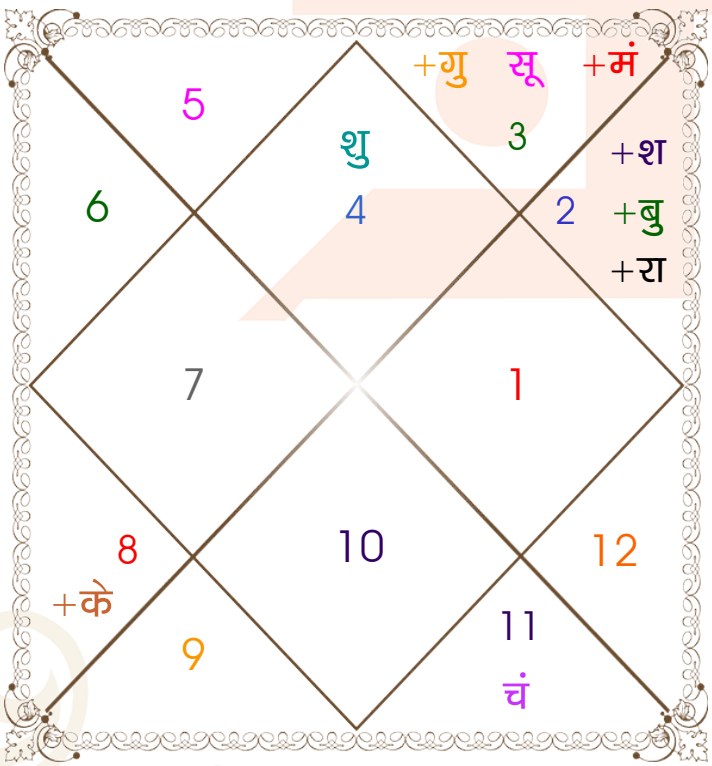

चन्द्र कुंडली

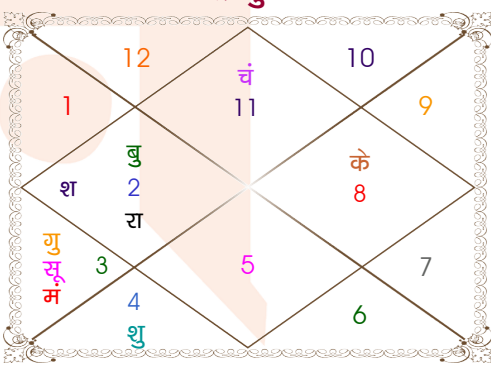

नवमांश कुंडली

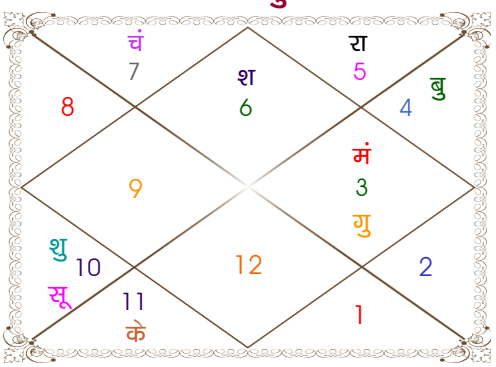

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 11 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/06/2002		18/06/2004		18/06/2022		18/06/2038		18/06/2057	
18/06/2004		18/06/2022		18/06/2038		18/06/2057		18/06/2074	
	00/00/0000	राहु	01/03/2007	गुरु	05/08/2024	शनि	21/06/2041	बुध	15/11/2059
	00/00/0000	गुरु	25/07/2009	शनि	17/02/2027	बुध	29/02/2044	केतु	11/11/2060
	00/00/0000	शनि	31/05/2012	बुध	25/05/2029	केतु	09/04/2045	शुक्र	12/09/2063
	00/00/0000	बुध	18/12/2014	केतु	01/05/2030	शुक्र	09/06/2048	सूर्य	18/07/2064
	00/00/0000	केतु	05/01/2016	शुक्र	30/12/2032	सूर्य	22/05/2049	चंद्र	18/12/2065
	29/06/2002	शुक्र	05/01/2019	सूर्य	18/10/2033	चंद्र	21/12/2050	मंगल	15/12/2066
शुक्र	13/07/2003	सूर्य	30/11/2019	चंद्र	17/02/2035	मंगल	30/01/2052	राहु	03/07/2069
सूर्य	18/11/2003	चंद्र	31/05/2021	मंगल	24/01/2036	राहु	06/12/2054	गुरु	09/10/2071
चंद्र	18/06/2004	मंगल	18/06/2022	राहु	18/06/2038	गुरु	18/06/2057	शनि	18/06/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/06/2074		18/06/2081		19/06/2101		20/06/2107		19/06/2117	
18/06/2081		19/06/2101		20/06/2107		19/06/2117		00/00/0000	
केतु	14/11/2074	शुक्र	18/10/2084	सूर्य	07/10/2101	चंद्र	19/04/2108	मंगल	15/11/2117
शुक्र	15/01/2076	सूर्य	18/10/2085	चंद्र	07/04/2102	मंगल	18/11/2108	राहु	04/12/2118
सूर्य	21/05/2076	चंद्र	19/06/2087	मंगल	13/08/2102	राहु	20/05/2110	गुरु	10/11/2119
चंद्र	20/12/2076	मंगल	18/08/2088	राहु	08/07/2103	गुरु	19/09/2111	शनि	18/12/2120
मंगल	19/05/2077	राहु	18/08/2091	गुरु	25/04/2104	शनि	19/04/2113	बुध	16/12/2121
राहु	06/06/2078	गुरु	18/04/2094	शनि	07/04/2105	बुध	19/09/2114	केतु	14/05/2122
गुरु	13/05/2079	शनि	18/06/2097	बुध	11/02/2106	केतु	20/04/2115	शुक्र	30/06/2122
शनि	21/06/2080	बुध	19/04/2100	केतु	19/06/2106	शुक्र	18/12/2116		00/00/0000
बुध	18/06/2081	केतु	19/06/2101	शुक्र	20/06/2107	सूर्य	19/06/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।